SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

SSC MTS — Multi Tasking (Non-Technical) Staff and Havaldar Examination

एम.टी.एस. कर्मचारी चयन आयोग की वह परीक्षा है जिससे कक्षा 10 उत्तीर्ण व्यक्ति केंद्र सरकार की स्थायी नौकरी में पहुँचता है, और वह भी बिना किसी डिग्री, डिप्लोमा अथवा तकनीकी प्रशिक्षण के। इस एक ही परीक्षा से दो अलग पद भरे जाते हैं:...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/ssc-mts

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

एम.टी.एस. कर्मचारी चयन आयोग की वह परीक्षा है जिससे कक्षा 10 उत्तीर्ण व्यक्ति केंद्र सरकार की स्थायी नौकरी में पहुँचता है, और वह भी बिना किसी डिग्री, डिप्लोमा अथवा तकनीकी प्रशिक्षण के। इस एक ही परीक्षा से दो अलग पद भरे जाते हैं: बहुकार्यकारी (अ-तकनीकी) स्टाफ़, जो भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं कार्यालयों में सहायक कार्य करता है; तथा हवलदार, जो केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड तथा केंद्रीय स्वापक ब्यूरो में होता है। दोनों की आयु-सीमा अलग है और यही इस परीक्षा की सबसे महत्त्वपूर्ण व्यावहारिक बात है। जिस विद्यार्थी ने कक्षा 10 के बाद आगे पढ़ाई जारी नहीं रखी, अथवा जो पढ़ाई के साथ-साथ एक निश्चित सरकारी नौकरी चाहता है, उसके लिए यह देश की सबसे सुलभ केंद्रीय भर्तियों में से एक है। इस पद पर काम कैसा होता है, यह इस पोर्टल के "बहुकार्यकारी स्टाफ़" पृष्ठ पर विस्तार से दिया गया है; यह पृष्ठ भर्ती की प्रक्रिया एवं पात्रता के बारे में है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक (कक्षा 10) परीक्षा उत्तीर्ण, विज्ञप्ति में दी गई निर्धारित तिथि तक
भर्ती संस्था	कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.), भारत सरकार
आयु-सीमा	दो अलग सीमाएँ एक ही परीक्षा में — एम.टी.एस. के लिए 18 से 25 वर्ष, तथा हवलदार (सी.बी.आई.सी. एवं सी.बी.एन.) एवं कुछ विभागों के एम.टी.एस. पदों के लिए 18 से 27 वर्ष
आरंभिक वेतन	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 1 — मूल वेतन ₹18,000
माँग	एक परीक्षा, दो पद — एम.टी.एस. तथा हवलदार; विकल्प आवेदन-पत्र में ही चुना जाता है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- कार्यालय के सहायक एवं व्यवस्थापन सम्बन्धी काम में रुचि
- सरकारी तंत्र के भीतर रहकर आगे बढ़ने का अवसर
- निश्चित दिनचर्या वाली स्थायी नौकरी

क्षमताएँ

- सामान्य समझ एवं परिश्रम — इस पद पर विशेष तकनीकी योग्यता नहीं माँगी जाती
- हवलदार के पद के लिए शारीरिक क्षमता, जिसकी अलग जाँच होती है
- भरोसेमंदी, क्योंकि अभिलेख एवं सामग्री की देखरेख इसी पद के ज़िम्मे रहती है

ज़रूरी कौशल

- सामान्य ज्ञान, प्रारंभिक गणित एवं तर्कशक्ति — परीक्षा का स्तर कक्षा 10 का है
- नस्ती (फ़ाइल) एवं अभिलेख की देखरेख
- कंप्यूटर की प्रारंभिक जानकारी — आवश्यक नहीं, पर आगे काम आती है
- हिंदी अथवा अंग्रेज़ी में सामान्य पठन-लेखन
- कार्यालय की सामग्री एवं व्यवस्था का प्रबंधन
- हवलदार के लिए शारीरिक दक्षता एवं सतर्कता

4 कैसे पहुँचें

1. मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 10 (मैट्रिक) उत्तीर्ण करें। इससे आगे कोई शैक्षणिक योग्यता आवश्यक नहीं — यही इस परीक्षा की सबसे बड़ी विशेषता है।
2. आवेदन करने से पहले यह तय करें कि आप एम.टी.एस. के लिए आवेदन कर रहे हैं अथवा हवलदार के लिए, क्योंकि दोनों की आयु-सीमा अलग है। एम.टी.एस. के लिए 18 से 25 वर्ष, तथा हवलदार (केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड एवं केंद्रीय स्वापक ब्यूरो) तथा कुछ विभागों के एम.टी.एस. पदों के लिए 18 से 27 वर्ष। यदि आपकी आयु 25 से अधिक किंतु 27 से कम है, तो आपके लिए हवलदार का विकल्प खुला हो सकता है जबकि सामान्य एम.टी.एस. का नहीं — यह अंतर बहुत-से अभ्यर्थी नहीं जानते।
3. यदि आप हवलदार का विकल्प चुनते हैं तो शारीरिक तैयारी भी साथ-साथ करें, क्योंकि उस पद के लिए शारीरिक दक्षता एवं मानक परीक्षण होते हैं। उनके मानक विज्ञप्ति में दिए जाते हैं और इस पृष्ठ पर जानबूझकर नहीं लिखे गए, क्योंकि वे श्रेणी एवं लिंग के अनुसार भिन्न होते हैं।
4. यदि पढ़ाई बीच में छूट गई हो तो राजस्थान राज्य मुक्त विद्यालय से कक्षा 10 काम के साथ-साथ पूरी की जा सकती है, और वह इस परीक्षा के लिए मान्य है।
5. आयोग की वेबसाइट पर विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- इस परीक्षा के बारे में सबसे महत्त्वपूर्ण बात आयु-सीमा की है, और वह इसलिए कि एक ही विज्ञप्ति में दो अलग सीमाएँ चलती हैं। नियमानुसार एम.टी.एस. के लिए 18 से 25 वर्ष हैं, तथा हवलदार (सी.बी.आई.सी. एवं सी.बी.एन.) एवं विभिन्न विभागों के कुछ एम.टी.एस. पदों के लिए 18 से 27 वर्ष। आयोग की अपनी पद-सूची में यह अंतर पदों के नाम में ही लिखा हुआ है। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि 25 वर्ष पार कर चुका अभ्यर्थी स्वयं को अपात्र मान लेने की भूल कर सकता है, जबकि उसके लिए एक विकल्प अब भी खुला हो सकता है।
- चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा से होता है, जिसका स्तर कक्षा 10 का है, और हवलदार के पद के लिए उसके बाद शारीरिक दक्षता एवं शारीरिक मानक परीक्षण भी होते हैं। एम.टी.एस. के लिए शारीरिक परीक्षण नहीं होता — यह दोनों पदों के बीच दूसरा बड़ा अंतर है और आवेदन का विकल्प चुनते समय इसे ध्यान में रखना चाहिए।
- एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती। केंद्र के मैट्रिक्स का लेवल 1 ₹18,000 है, जबकि राजस्थान के मैट्रिक्स का लेवल 1 इससे भिन्न है। तुलना रुपये के आँकड़े से करें, स्तर की संख्या से नहीं।
- योग्यता केवल मैट्रिक है और इसमें कोई विषय-शर्त नहीं। इस पोर्टल की तुलना में यह उल्लेखनीय है: सी.एच.एस.एल. के कुछ पद गणित सहित विज्ञान वर्ग माँगते हैं, और दिल्ली पुलिस के एक पद में विज्ञान एवं गणित की शर्त है — यहाँ ऐसा कुछ नहीं। किसी भी विषय से कक्षा 10 उत्तीर्ण व्यक्ति पात्र है। जिन विद्यार्थियों का संकाय-चयन उनकी पहुँच सीमित कर देता है, उनके लिए यह परीक्षा उस बाधा से मुक्त है।
- इस पद को अंतिम लक्ष्य मानने की आवश्यकता नहीं और बहुत-से लोग नहीं मानते। एक बार स्थायी सेवा में आ जाने के बाद विभागीय परीक्षाओं तथा आयोग की अन्य परीक्षाओं — सी.एच.एस.एल., सी.जी.एल. — की तैयारी जारी रखी जा सकती है, और वेतन आते रहने से वह तैयारी आर्थिक दबाव के बिना होती है। आयोग स्वयं सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षाएँ आयोजित करता है, जिनसे सेवा में लगे कर्मचारी ऊपर के पदों पर जाते हैं। इसे पहला पड़ाव मानना एक व्यावहारिक रणनीति है, हार नहीं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Any recognised Board — the qualification is a Class 10 pass, and no particular institution is required — राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सहित कोई भी मान्यता प्राप्त बोर्ड (https://rajeduboard.rajasthan.gov.in/)
- Rajasthan State Open School — for completing Class 10 alongside work; reached through the School Education Department portal — जयपुर एवं ज़िला केंद्र (https://education.rajasthan.gov.in/)
- District sports grounds — for the physical practice the Havaldar option requires — राजस्थान के ज़िला मुख्यालयों पर (https://sports.rajasthan.gov.in)

ऑनलाइन

- कर्मचारी चयन आयोग — विज्ञप्ति एवं दोनों पदों की आयु-सीमा — यही परीक्षा आयोजित करने वाला आयोग है (https://ssc.gov.in/)
- एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र (निःशुल्क) — तैयारी की सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper)
- एस.एस.सी. — परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम — प्रश्न-पत्र का ढाँचा एवं अंक-योजना (https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

यह इस पूरे पोर्टल की सबसे सस्ती राहों में से एक है और उसका कारण सीधा है: योग्यता केवल कक्षा 10 है और उससे आगे कुछ भी आवश्यक नहीं — न डिग्री, न डिप्लोमा, न कोई प्रमाण-पत्र, न कोई लाइसेंस। राजकीय विद्यालय से कक्षा 10 लगभग निःशुल्क हो जाती है, और यदि पढ़ाई छूट गई हो तो राज्य मुक्त विद्यालय से काम के साथ पूरी की जा सकती है। परीक्षा का स्तर भी कक्षा 10 का ही है, और आयोग पाठ्यक्रम एवं पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र अपनी वेबसाइट पर निःशुल्क प्रकाशित करता है — अर्थात् तैयारी की पूरी सामग्री बिना पैसे के उपलब्ध है। यदि आप हवलदार का विकल्प चुनते हैं तो शारीरिक अभ्यास आवश्यक होगा, और वह भी किसी मैदान पर निःशुल्क किया जा सकता है। राजस्थान के अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, ई.डब्ल्यू.एस. एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में एस.एस.सी. की परीक्षाएँ सम्मिलित हैं। एक चेतावनी: नौकरी दिलाने का दावा करने वाले किसी व्यक्ति को पैसा न दें — चयन केवल आयोग की परीक्षा से होता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

भारत सरकार के मंत्रालय, विभाग एवं उनके अधीनस्थ कार्यालय — पूरे देश में। हवलदार के पद केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड तथा केंद्रीय स्वापक ब्यूरो में होते हैं, जिनका काम सीमा शुल्क एवं स्वापक नियंत्रण से जुड़ा रहता है।

कार्य-संस्कृति

काम का विस्तृत विवरण इस पोर्टल के "बहुकार्यकारी स्टाफ़" पृष्ठ पर है, इसलिए यहाँ केवल वह कहा जा रहा है जो भर्ती के दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण है। दोनों पदों का वातावरण एक-दूसरे से भिन्न होता है: एम.टी.एस. का काम मुख्यतः कार्यालय के भीतर सहायक प्रकृति का होता है, जबकि हवलदार का पद कर एवं स्वापक नियंत्रण के विभागों में होता है, जहाँ क्षेत्र में जाना एवं जाँच-दलों के साथ काम करना पड़ सकता है — इसीलिए उसके लिए शारीरिक परीक्षण होता है। दोनों में समान बात यह है कि यह प्रवेश-स्तर का पद है, आरंभ में ज़िम्मेदारी सीमित रहती है, और पदोन्नति विभाग के अनुसार धीरे-धीरे होती है। इसका सबसे बड़ा गुण भी यही है: निश्चित समय, स्थायी वेतन एवं सामाजिक सुरक्षा, जिनके सहारे बहुत-से कर्मचारी सेवा में रहते हुए आगे की परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और ऊपर के पदों तक पहुँचते हैं।

कौन नौकरी देता है

- भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय एवं विभाग
- केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सी.बी.आई.सी.) — हवलदार के पद
- केंद्रीय स्वापक ब्यूरो (सी.बी.एन.) — हवलदार के पद
- केंद्र सरकार के अधीनस्थ कार्यालय एवं निदेशालय

माँग (2026)

केंद्र सरकार के कार्यालयों में सहायक स्तर के कर्मचारियों की आवश्यकता स्थायी है और यह परीक्षा प्रायः नियमित रूप से आयोजित होती है, इसलिए अवसर बार-बार आते हैं। दो बातें ईमानदारी से जान लेनी चाहिए। पहली, आवेदकों की संख्या बहुत अधिक होती है — कक्षा 10 की योग्यता का अर्थ यही है कि इसमें लगभग हर कोई पात्र है, और प्रतिस्पर्धा उसी अनुपात में तीव्र रहती है। दूसरी, यह प्रवेश-स्तर का पद है और इसका वेतन केंद्रीय पे मैट्रिक्स के सबसे निचले स्तर पर आरंभ होता है; पदोन्नति का मार्ग है पर वह धीमा है। इसके विरुद्ध जो सुविधा है वह वास्तविक है: वही तैयारी सी.एच.एस.एल., रेलवे की समूह-घ भर्तियों, राजस्थान की चतुर्थ श्रेणी एवं अन्य कक्षा 10 स्तर की भर्तियों में भी काम आती है, और एक बार सेवा में आ जाने पर विभागीय परीक्षाओं का द्वार खुल जाता है जो बाहर से प्रतिस्पर्धा करने की तुलना में कहीं कम भीड़ वाला रास्ता है। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. बहुकार्यकारी स्टाफ़ अथवा हवलदार — प्रवेश-पद, केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 1 (मूल ₹18,000)

2. निम्न श्रेणी लिपिक / कनिष्ठ सचिवालय सहायक — विभागीय पदोन्नति अथवा सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा द्वारा
3. उच्च श्रेणी लिपिक / वरिष्ठ सचिवालय सहायक — आगे की पदोन्नति पर; आयोग इसके लिए अलग सीमित विभागीय परीक्षा आयोजित करता है
4. सहायक अनुभाग अधिकारी एवं उससे ऊपर — दीर्घ सेवा एवं विभागीय परीक्षाओं के माध्यम से

कमाई

शुरुआत	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 1 — मूल वेतन ₹18,000
मध्य स्तर	₹30,000 – ₹42,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों की सेवा के बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹50,000 से अधिक (भत्तों सहित, पदोन्नति के बाद)

आरंभिक आँकड़ा केंद्रीय पे मैट्रिक्स के लेवल 1 का पहला खाना है, जो आयोग की अपनी वेतन-सूची से लिया गया है। यह मूल वेतन है; महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता एवं यात्रा भत्ता इस पर अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है, और महानगर में तैनाती पर मकान किराया भत्ता उल्लेखनीय अंतर लाता है। यह केंद्र सरकार का सबसे निचला वेतन-स्तर है और इसे छिपाना उचित नहीं — पर इसके साथ स्थायित्व, पेंशन-सुरक्षा एवं विभागीय पदोन्नति का मार्ग जुड़ा है, जो निजी क्षेत्र की समान वेतन वाली नौकरियों में प्रायः नहीं मिलते। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कक्षा 10 की योग्यता पर स्थायी केंद्रीय सरकारी नौकरी — कोई डिग्री, प्रमाण-पत्र अथवा लाइसेंस आवश्यक नहीं
- योग्यता में कोई विषय-शर्त नहीं, इसलिए संकाय का चुनाव यहाँ बाधा नहीं बनता
- 25 से 27 वर्ष के अभ्यर्थियों के लिए हवलदार का विकल्प खुला रहता है
- सेवा में आने के बाद विभागीय परीक्षाओं का कम भीड़ वाला रास्ता खुल जाता है

चुनौतियाँ

- वेतन केंद्र सरकार के सबसे निचले स्तर पर आरंभ होता है
- आवेदकों की संख्या बहुत अधिक, इसलिए प्रतिस्पर्धा तीव्र
- प्रवेश-स्तर का पद — आरंभिक वर्षों में ज़िम्मेदारी सीमित एवं पदोन्नति धीमी
- तैनाती अपने राज्य से बाहर मिल सकती है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कर्मचारी चयन आयोग — आधिकारिक वेबसाइट — https://ssc.gov.in/

2. एस.एस.सी. — परीक्षा योजना — https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination

3. एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र — https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper

4. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड — हवलदार के पद इसी के अधीन — https://www.cbic.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in